नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

त्योहारों में 'मीठी महंगाई' पर लगाम जरूरी

त्योहार भारतीय जीवन और अर्थव्यवस्था दोनों में खुशियों का अवसर लेकर आते हैं. राखी ,जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी से शुरू होने वाला त्योहारों का सिलसिला नवरात्रि, दशहरा और दीपावली तक चलता है. इस दौरान घरों में पकवान बनते हैं, मिठाइयों की मांग बढ़ती है और बाजारों में खरीदारी का उत्साह दिखाई देता है.

ऐसे समय में चीनी की कीमतों में अचानक तेजी आम उपभोक्ता के घरेलू बजट को प्रभावित करने वाली चिंता बन सकती है. इसलिए जरूरी है कि आने वाले त्योहारी सीजन में चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर प्रभावी निगरानी रखी जाए. चीनी की कीमतों में मौजूदा तेजी के पीछे कई कारण हैं.

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों ने उत्पादन को प्रभावित किया है. इसके साथ ही त्योहारों के कारण घरेलू और व्यावसायिक मांग में स्वाभाविक वृद्धि हुई है. मिठाई, बेकरी और पेय पदार्थ उद्योग की मांग बढ़ने से भी बाजार पर दबाव बना है. ऐसे में कीमतों में कुछ वृद्धि को पूरी तरह असामान्य नहीं कहा जा सकता. हालांकि चिंता उस समय बढ़ती है, जब वास्तविक आपूर्ति की स्थिति से अधिक तेजी बाजार में दिखाई देने लगे. जमाखोरी, सट्टेबाजी और कृत्रिम कमी पैदा करने की कोशिशें कीमतों को अनावश्यक रूप से ऊपर ले जा सकती हैं. इसका सबसे ज्यादा असर उस आम उपभोक्ता पर पड़ता है, जो महंगाई के दूसरे दबावों के बीच अपने सीमित बजट में त्योहार मनाने की तैयारी करता है.

इस स्थिति में केंद्र सरकार की ओर से उठाए गए कदम महत्वपूर्ण हैं. घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ाने के लिए शुल्क-मुक्त कच्ची चीनी के आयात का फैसला तत्काल राहत देने वाला कदम है. बड़े उपभोक्ताओं के लिए स्टॉक सीमा को नियंत्रित करना और व्यापारियों के लिए साप्ताहिक स्टॉक की जानकारी देना भी बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में उपयोगी प्रयास हैं.

सरकार का उद्देश्य उत्पादन, उपलब्धता और कीमतों के बीच संतुलन बनाए रखना होना चाहिए और मौजूदा कदम इसी दिशा में दिखाई देते हैं .अब जरूरत इन फैसलों के प्रभावी क्रियान्वयन की है. राज्य सरकारों को केंद्र के साथ समन्वय कर गोदामों और थोक बाजारों पर नियमित निगरानी रखनी चाहिए. जहां वास्तविक जरूरत हो, वहां जमाखोरी के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए. डिजिटल माध्यम से चीनी की आपूर्ति श्रृंखला की निगरानी बढ़ाने से भी कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर अंकुश लगाया जा सकता है. साथ ही नियंत्रित दरों पर उपलब्धता बढ़ाने के विकल्पों पर भी विचार होना चाहिए. चीनी की कीमतों को नियंत्रित करना केवल उपभोक्ता हित का विषय नहीं है. गन्ना किसानों को उचित मूल्य मिलना, चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति मजबूत रहना और उपभोक्ताओं को उचित दर पर चीनी उपलब्ध होना,तीनों के बीच संतुलन जरूरी है. सरकार को बाजार में हस्तक्षेप करते समय इस व्यापक हित का ध्यान रखना होगा.

त्योहार खुशियों का समय हैं, महंगाई की चिंता का नहीं. इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पर्याप्त स्टॉक बाजार में उपलब्ध रहे और किसी भी स्तर पर कृत्रिम किल्लत की गुंजाइश न बने. सरकार ने शुरुआती कदम उठाए हैं, अब उनकी निगरानी और सख्त क्रियान्वयन से ही यह सुनिश्चित होगा कि आम आदमी के त्योहारों की मिठास महंगी चीनी की वजह से फीकी न पड़े.

दिल व इतिहास जीतने में कामयाब गोर

यूएस से नजदीकी भारत के लिए महत्वपूर्ण

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद अमेरिकी राजदूत की पहली जम्मू कश्मीर यात्रा के दौरान गोर ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ श्रीनगर में संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि केंद्र शासित प्रदेश भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा है और अविश्वसनीय तौर पर सुंदर है. गोर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प के बहुत करीबी हैं और इसलिए ही उन्हें भारत में राजदूत बनाकर भेजा गया था.

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर जब भारत आए थे. उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनको अपना दोस्त करार देते हुए विश्वास जाहिर किया था कि सर्जियो गोर दोनों देश के रिश्तों को नई उंचाई देने का काम करेंगे.

उनका यह विश्वास बुधवार को पूर्ण रूप से सही साबित हुआ. जब जम्मू कश्मीर के दौरे पर उन्होंने कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण स्थान करार देते हुए यह भी कहा कि अमेरिका कश्मीर को लेकर अपनी यात्रा सलाह में बदलाव करेगा.

उन्होंने अपने इस बयान से केवल भारत के लोगों का दिल हीं नहीं जीता बल्कि इतिहास के एक प्रमुख अध्याय को अपने नाम कर लिया. वह कश्मीर जाने वाले पहले अमेरिकी राजदूत हैं.

इसके अलावा उन्होंने कश्मीर को जिस तरह से भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताकर अमेरिकी नागरिकों के बड़ी संख्या में कश्मीर में पर्यटन के लिए आने की उम्मीद जाहिर की है. वह भारत-अमेरिका रिश्तों का एक नया इतिहास लिखने वाला वाक्य बन गया है.

पुरानी सुरक्षा धारणा में बदलाव

यह सर्जियो गोर का केवल एक बयान नहीं है. अगर देखा जाए तो इसके सहारे गोर ने हर भारतीय का दिल जीतने का कार्य किया है. उन्होंने यह संकेत भी दिए हैं कि कश्मीर को लेकर अमेरिका की वर्षों पुरानी सुरक्षा धारणा में बदलाव हो रहा है. उनके बयान ने भारत-अमेरिकी रिश्तों, दक्षिण एशिया बदलते रणनीतिक स्थिति की तस्वीर के साथ ही कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की नई कूटनीतिक दिशा भी तय की है. यह केवल पाकिस्तान के कश्मीर घाटी में घुसपैठ, आतंकवाद में फैलाने की नीति पर एक प्रहार ही नहीं है बल्कि यह दुनिया को संकेत हैं कि अमेरिका यह मानता है कि यहां पर पाक के सभी दावे नापाक और बदनीयत वाले हैं. सर्जियो गोर एक परंपरागत राजनयिक से कुछ अलग हैं. उन्होंने भारत को समझने और यहां के लोगों से दिल का रिश्ता बनाने के लिए भारत के विभिन्न राज्यों का इतना दौरा किया है. जो संभवतः एक आम भारतीय भी नहीं करता है. उन्होंने किसी भी अमेरिकी राजदूत से अधिक विभिन्न राज्यों का दौरा किया. वहां पर सीएम और अन्य लोगों से मुलाकात की. उनके

माध्यम से वहां के रहन-सहन, खान-पान, परंपरा, वेशभूषा को समझने के साथ ही इस बात को भी गहराई से समझने का प्रयास किया कि एक आम भारतीय आखिर भारत-अमेरिका रिश्तों में क्या चाहता है. आम तौर पर कोई भी राजदूत और खासकर अमेरिका का राजदूत दोनों देशों के रिश्ते सुधारने के लिए इस तरह के सघन मेहनत से भरे कदमों से दूर रहता है. लेकिन गोर ने अलग करके दिखाया कि वह भारत का दिल जीतने के लिए आए हैं. वह केवल राजदूत की हैसियत से नहीं बल्कि हर भारतीय की उम्मीद को पूरा करने आए हैं. यह प्रयास उनके महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु दौरे से लेकर जम्मू कश्मीर दौरे तक में दिखा है. एक अमेरिकी दूतावास अधिकारी के मुताबिक सर्जियो गोर ने अपने अल्पकालिक सेवा काल में जितने भारतीय नेताओं, अधिकारियों, प्रमुख लोगों और अन्य व्यक्तियों से मुलाकात की है. उतनी मुलाकात आम तौर पर राजदूत अपने पूरे कार्यकाल में भी नहीं करते हैं. यह बताता है कि वह सच्चे दिल से भारत से रिश्तों को नई उंचाई पर ले जाने के लिए आए हैं. जिसमें उनको कामयाबी भी मिल रही है.

■ संतोष ठाकुर, नवभारत

विंध्य की डायरी

सूखे के बाद विंध्य में बारिश का कहर और तबाही का मंजर

डा. रवि तिवारी

आषाढ़ में समूचा विंध्य सूखे की चपेट में रहा, किसान पानी के लिये तरस रहे थे और सावन में एक दिन ऐसी बारिश हुई कि समूचा विंध्य बाढ़ की चपेट में आ गया. बारिश का कहर और तबाही के मंजर के बीच केवल चारो तरफ पानी और लोगों की उजड़ी गृहस्थी दिखाई दी. चित्रकूट से लेकर सिंगरौली तक जीवन दायनी नदियां उफान पर रहीं और अपने साथ सब कुछ समेट ले गई. रीवा में बीहर, टमस और चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का रौद्र रूप देखने को मिला. यह कोई पहली बार नहीं है रीवा शहर कई बाढ़ देख चुका है. लोगों के घर बह गये सामान तक नही समेट पाए, बच्चों को लेकर राहत शिविरों में शरण ली. हजारों परिवार का सपना पानी के साथ बह गया. जान माल दोनों का नुकसान इस बाढ़ में हुआ है. बाढ़ से उभरने में परिवारों को समय लगेगा. पीड़ितों का आंसू तो हर कोई पोंछ सकता है पर जिम्मेदार लोगो को इस बाढ़ के नियंत्रण के लिये भी सोचना होगा. बाढ़ के लिये नदी-नाले ही नही बल्कि हम भी जिम्मेदार है. उनके आंगन में हमने कब्जा किया तो पानी घर में ही भरेगा. दो दिन तक समूचा विंध्य बाढ़ के चपेट में रहा, चारो तरफ केवल बेबसी का मंजर देखने को मिला.

नदी से सटी बस्तियां एवं रिहायशी इलाकों में पानी भरने से सब कुछ डूब गया. सवाल यह उठता है कि शहर में आई बाढ़ के लिये आखिर जिम्मेदार कौन है. नदी नालों के पानी निकास पर अतिक्रमण एवं निकासी प्रबंधन का न होने सबसे बड़ा कारण है. अगर शासन-प्रशासन नहीं चेता तो हर साल बाढ़ का सामना करना पड़ेगा. आपदा के इस संकट में प्रदेश के मुखिया डा. मोहन यादव बाढ़ का जायजा लेने रीवा पहुंचे, पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हे आपदा की इस घड़ी में ढाढस बंधाया और बगैर देरी किये सर्वे मुआवजा के लिये अफसरों को निर्देशित भी किया. हर बार आ रही बाढ़ के मुख्य कारण को भी जानने का प्रयास स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अफसरों से किया.

खीचतान में फिर अटकी सूची :

भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्षों की सूची एक बार फिर अटक गई है. विंध्य के तीन जिलों के नाम अभी तक फाइनल नहीं हो पाए है. रीवा, सिंगरौली एवं मैहर के जिला अध्यक्षों का नाम अधर में लटके है. स्थानीय स्तर पर नेताओं के बीच खीचतान एवं आपसी सहमति न बन पाने के कारण सूची अटकी हुई है. हालाकि हाल ही में संगठन ने चरणबद्ध तरीके से कई नये जिला अध्यक्षों और महामंत्रियों के नामों की घोषणा की है. दरअसल संतुलन बैठाने के फेर में विंध्य के तीन जिलों के नामों की घोषणा नही हो पाई है. स्थानीय नेताओं के बीच नाम तय करने की प्रक्रिया और गुटबाजी के चलते सूचियां रूक-रूक कर जारी हो रही है. तीनों जिलों से लगभग नाम जिला अध्यक्षों के फाइनल है. इसी तरह महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष की भी घोषणा नहीं हो पा रही है. रीवा व अन्य जिले का मामला फसा हुआ है, जबकि अन्य जिलों में घोषणा कर दी गई है. इस माह के अंत में प्रदेश कार्य समिति की बैठक है, ऐसे में माना जा रहा है कि बैठक से पहले शेष जिलों की सूची जल्द ही जारी कर दी जाएगी.

चुरहट तक ट्रेन का ट्रायल, श्रेय लेने की होड़ :

ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना की आधारशिला आज से 43 साल पहले रखी गई थी. लेकिन अभी तक परियोजना पूरी नहीं हो पाई. लम्बे समय बाद हाल ही में सीधी के चुरहट रेलवे स्टेशन तक ट्रेन का सफल ट्रायल हुआ. उम्मीद है कि जल्द ही सीधी तक ट्रेन का सफर आसान होगा. ट्रायल के बाद श्रेय लेने के दावे शुरू हो गये है. जिसको लेकर राजनीतिक गलियारे में एक नई चर्चा शुरू हो गई है. पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं म.प्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अर्जुन सिंह ने विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर करने के लिये ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना को धरातल पर लाने में बेहद निर्णायक और ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी.

अब 43 साल बाद सपना साकार हो रहा है. रीवा के बाद अब सीधी तक रेल गाड़ी पहुंचने वाली है. वर्षों से चल रही इस परियोजना के लिये सभी सांसदों ने अपने-अपने स्तर पर प्रयास किये. लेकिन ट्रायल के बाद आपस में ही श्रेय लेने की होड़ मची है. बेशक 2014 के बाद से रेल परियोजना को लेकर तेजी से काम हुआ है. सीधी के जो भी सांसद रहे उन्होंने अपने स्तर पर हर संभव प्रयास किये. इसी का परिणाम है कि चुरहट तक ट्रायल हो चुका है.

सहकारी बैंक के चुनाव क्यों अटके?

महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक में 8 वर्षों से प्रशासक का नियंत्रण बना हुआ है. वाम्बे हाईकोर्ट ने 28 जनवरी 2025 के रटे हटाकर बैंक के चुनाय का रास्ता खुला कर दिया लेकिन फिर भी चुनाव न कराते हुए अब तक प्रशासकीय व्यवस्था कायम है. इससे लेकर महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक के निवृत्त कर्मचारी संघ ने केंद्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह को पत्र भेजकर मांग की है कि प्रशासक को दिया गया 3 वर्ष का सेवा विस्तार रद्द किया जाए और 90 दिनों के भीतर बैंक के संचालक मंडल के चुनाव कराए जाएं, यह प्रश्न किया गया है कि हाईकोर्ट के निर्णय के बाद भी चुनाव क्यों अटके हुए हैं? इसके लिए कौनसी प्रक्रिया बाकी है? प्रशासक का कार्यकाल किन मानदंडों के आधार पर बढ़ाया गया? सहकारी संस्था के चुनाव नियम 2014 के तहत कराए जाते हैं. विधि व न्याय विभाग की राय के बाद सहकारी बैंक के संचालक 10 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर भी चुनाव लड़ सकेंगे. उनके चुनाव लड़ने पर लगाई गई रोक अब हटा दी गई है. उन्हें कानूनी तौर पर अपात्र नहीं माना जाएगा, मनग्गाने तौर पर उनकी उम्मीदवारी रद्द नहीं की जा सकेगी. बैंकिंग विशेषज्ञ, विधि व न्याय विभाग ने स्पष्ट राय दी है. इसके अनुसार अब चुनाव अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी, जो उम्मीदवारी आवेदन की छानबीन करेगा. रिजर्व बैंक का कानून बैंक के कामकाज को लेकर है. सहकारिता कानून व चुनाव नियमों में उसका हस्तक्षेप नहीं है. राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरण के आयुक्त ने कहा था कि यहां प्रशासक को सेवा विस्तार दिया गया है वहां चुनाव नहीं कराए जा सकेंगे जबकि सहकार आयुक्त ने बताया है कि चुनाव कराने की जिम्मेदारी राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरण की है.

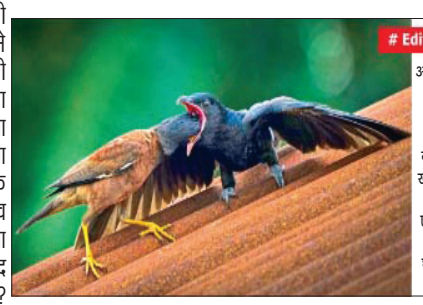

Editorial Pick

असम के मोरीगाँव जिले में, एक कॉमन मैना छत पर बैठी एशियाई कोयल के चूजे को खाना खिला रही है. एशियाई कोयल एक ब्रूड पैरासाइट (दूसरे पक्षी के घोंसले में अंडे देने वाली) है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

गूंजने लगी राहुल की ललकार, थोड़ी सी बेकरारी, थोड़ा सा इंतजार

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आक्रामक अंदाज देखते ही बनता है. 2029 के लोकसभा चुनाव तक भी वह मैर्य रखना नहीं चाहते बल्कि दावा कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी का समय फिनिश्ड हो चुका है. बीजेपी और संघ उनके उत्तराधिकारी की तलाश में जुट गए हैं. हमने कहा, इस तरह की बातें कल्पना की उड़ान के सिवा कुछ भी नहीं हैं. मोदी सरकार के पास एनडीए की कंफाटेबल मेजारिटी है. बीजेपी को चंद्राबाबू नायडू की टीडीपी और नीतीशकुमार की जदयू का समर्थन तो है ही, साथ में शिंदे के बंद भी उनके साथ हैं. राकांपा (अजीत) का भी सहयोग है. गमता की टोडीपी से फूट चुके सांसद भी उनकी जेब में हैं.

राहुल हवा में तलवार भांज रहे हैं. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, हर किसी को सपने देखने का हक है. मोदी इतने कल्पनाशील हैं कि अभी से 2047 का ड्रीम देखने लगे हैं. राहुल का सपना यह है कि राजनीतिक रेस की फिनिश लाइन के पहले ही मोदी का दम फूल गया और कदम लड़खड़ा गए हैं. उनका टाहम पूरा हो गया है.

आपको राहुल की बेकरारी समझनी चाहिए, हमने कहा, यह बेकरारी नहीं बल्कि छटपटाहट है. साफ दिखाई दे रहा है कि जैसे बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है, वैसे ही मोदी-शाह की भाजपा ने विपक्ष में रह चुकी छोटी पार्टियों को पचाना शुरू कर दिया है. ऐसे में मोदी कहां से फिनिश हो गए? अभी तो राजनीति के महासागर में बीजेपी ही सबसे बड़ी फिश है. वह व्हेल है या किलर शार्क, यह तो राहुल ही बताएंगे.

पड़ोसी ने ने कहा, निशानेबाज, राहुल गांधी का नौजवानों पर भरोसा है. उन्होंने कहा कि 1980, 1984, 2004 और 2009 में देश के युवाओं ने कांग्रेस को समर्थन दिया था. अभी उन्हें जेन जी के सहयोग की उम्मीद है. शिवसेना (उद्धव) के सांसद संजय राऊत ने सनसनीखेज दावा किया है कि मोदी के 77 वे जन्मदिवस 17 सितंबर के बाद देश में राजनीतिक भूकंप आएगा. उन्होंने यह भी कहा कि मोदी के बाद अमित शाह पीएम नहीं बनेंगे. हमने कहा, ऐसी हवाब्याजी गा अटकलबाजी में उलझने की जरूरत नहीं. सब अपना-अपना माहौल बनाने में लगे हैं. एक शेर है- इब्तदाए इश्क है, रोता है क्या, आगे-आगे देखिए होता है क्या!

शब्द-सागरः डॉ. सागर खादीवाला

12358

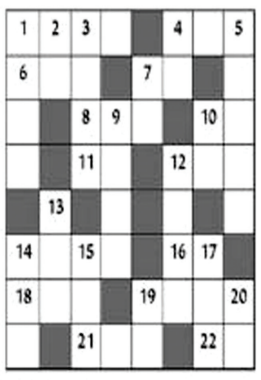

बाएं से दाएं

1. दो दिशाओं के बीच की दिशा, कोण (सं.) 4. आडंबर, ऊपरी तड़क-भड़क 6. लादने का सामान 7. समय, वक्त, अंतिम समय अवसर, मौका, मृत्यु 8. इच्छा 10. एकाक्ष, जिसकी एक आंख फूट गई हो 11. सत्य, वाजिब, उचित, अधिकार उचित या ठीक बात 12. नमस्कार, प्रणाम, वंदगी 14. खाया हुआ (सं.) 16. स्त्री जाति का प्राणी या जीव 18. परीक्षा, पहचान, गुण दोषों की ठीक जांच 19. तनाव, खिंचावट, अच्छी गठन 21. शेर, सिंह 22. गीला, शीतल

ऊपर से नीचे

1. उदार, रसिक, जो प्रेमपात्र हो, प्रिय 2. अशुद्ध, मैला, घृणित 3. चेतन 4. हृदय, मन, चित्त, जी, साहस, इच्छा 5. वासना से संबद्ध 7. अच्छा होता यदि 9. विद्या, कौशल, उपाय, यूनानी चिकित्सा का शास्त्र या पेशा 10. कोयले के रंग का, स्याह 12. गर्भ के सातवें मास में उत्पन्न होने वाला शिशु 13. सुरगाय की पूंछ का गुच्छा जिसे मूठ में डालकर देव मूर्तियों या राजाओं पर झलते हैं 14. कपट करने वाला 15. कलम और स्याही से अक्षरों की आकृति बनाना, लिपिबद्ध करना, काव्य लेख आदि की रचना करना 17. भोज का निमंत्रण, बुलावा 19. हाथ, किरण, महसूल 20. मेंढक की बोली, कर्कश शब्द

हल 12357

ला	रा	द	त्ता		ना	का	मी
ल	ह	र		बु	ल	बु	ल
ब		बा	ब	ला		ल	
हा	जि	र	ज	बा	ब		म
दु			ह		द	श	मी
र	ह	म			नी		क
शा	र	दा		आ	य	क	र
स्त्री		र	क्त	पा	त		ण

ज्योतिषाचार्य पं. नारायणशंकर नाथूराम त्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारम्भ में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. आर्थिक हानि हो सकती है. अनावश्यक क्रोध से हानि होगी. वर्ष के मध्य में सुखद यात्रा का योग है. स्थाई लाभ की योजना बनेगी. वर्ष के अन्त में मित्रों से बौद्धिक विचार विमर्श होगा. सामाजिक कार्यों में ख्याति प्राप्त होगी. लेखनादि कार्यों में सफलता के योग हैं. गृह कार्यों में संलग्नता रहेगी. ममेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को सुखद यात्रा का योग है. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की गृहकार्यों में दक्षता रहेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को प्रभाव का लाभ होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को यात्रा का योग है. सिंह राशि के व्यक्तियों का भूमि भवन संबंधी कार्यों में लाभ होगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को क्रोध की अधिकता रहेगी. मकर और कुम्भ राशि के व्यक्तियों को साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी. धार्मिक कार्यों में संलग्नता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक गंभीर, उदार, एवं दृढ़ निश्चयी स्वाभाव का होगा. स्मरण शक्ति अच्छी, भाग्यशाली आकर्षक व्यक्तित्व का रहेगा. दूसरों को अपनी ओर प्रभावित करने की इनमें क्षमता रहेगी. माता पिता का सदैव आदर करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

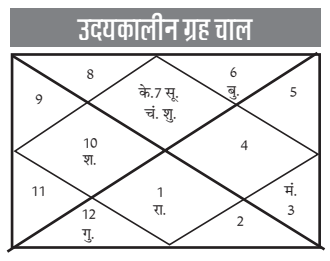

पंचांग

रा.मि. 02 संवत् 2083 श्रावण शुक्ल द्वादशी चन्द्रवासरे दिन-रात, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्रे रात 9/13, प्रीति योगे दिन 8/57, वव करणे सू.उ. 5/38, सू.अ. 6/22, चन्द्रचार धनु रात 3/47 से मकर, शु.रा. 9,11,12,3,5,7 अ.रा. 10,1,2, 4, 6,8 शुभांक- 2,4,8.

व्यापार भविष्य

श्रावण शुक्ल द्वादशी को पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, लोहा, गुड़ खांड़ चीनी, ज्वार, के भाव में तेजी का रूख रहेगा. सरसों, तिल, तेल, गेहूँ, घी, के भाव में नरमी रहेगी. वायदा विचार आज वस्तु में भाव टूटें उसमें मंदी होगी. भाग्यांक 2611 है.

मेष- मांगलिक कार्य में सफलता मिलेगी। मान सम्मान में वृद्धि होगी। भाई बहिनों का सुख सहयोग प्राप्त होगा। अतिथि आगमन होगा.

वृषभ- श्रम एवं प्रयास से सफलता मिलेगी। सामाजिक कार्यों में यश एवं कीर्ति प्राप्त होगी। मित्रता उपयोगी रहेगी। पदोन्नति होने का योग है.

धनु- मित्रों की सलाह पर अमल करने से राह आसान होगी, सुविधा के सामान पर खर्च संभव, कोर्ट कचहरी आदि के कार्यों में मन मुताबिक सफलता मिलेगी.

कर्क- देनदारी के चलते आपसी विवाद बढेगा, पुराने निवेश का लाभ मिलेगा, क्रोध पर नियंत्रण रखकर कार्य करें, खानपान पर संयम रखें.

सिंह- नजदीकी लोगों के कारण परेशानी हो सकती है, अपनी बात मनवाने की कोशिश करें, खास वस्तुओं का संग्रह होगा, पारिवारिक विवाद दूर होगा.

कन्या- पुरानी उलझनों को सुलझाने में व्यस्त रहेंगे, धार्मिक कार्यों में मन लगेगा, पारिवारिक विवाद दूर होगा, परिश्रम अधिक होने से थकावट होगी.

तुला- रुके हुये कार्य को पूरा करने के लिये किसी की सिफारिश की जरूरत पड़ सकती है, अज्ञात भय तथा चिन्ता दूर होगी, पारिवारिक व्यस्तता रहेगी.

वृश्चिक- अनावश्यक विवाद की संभावना है, वाणी पर नियंत्रण रखें, नौकरी सम्बन्धी कार्यों में सावधानी रखें, माता पिता का सहयोग प्राप्त होगा.

धनु- बेहतर अवसर सामने आयेंगे, धैर्यपूर्वक कार्य करें, सम्मान मिलेगा, आकस्मिक खर्च में वृद्धि होगी, दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी.

मकर- आपके करीबी लोग ही आपको बीच मझधार में छोड़ देंगे, प्रियजनों से भेंटवार्ता होगी, व्यवसायिक सम्बन्धों में लाभ मिलेगा, परिश्रम अधिक रहेगा.

कुम्भ- भावनाओं पर काबू रखकर व्यवहारिक निर्णय लें, खानपान पर संयम रखें, कार्य की अधिकता रहेगी, सोचे हुये कार्य बनने का योग है.

मीन- कारोबारी विस्तार को लेकर कार्यस्थल पर खीचातानी बनेगी, संतान के स्वास्थ्य की चिन्ता होगी, किसी दूर गये मित्र के सम्बन्ध में शुभ समाचार मिलेगा.

सुडाको 7490

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7489

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6